पूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना (ईसीएचएस)

त्रैमासिक न्यूज़लेटर : द्वितीय संस्करण
जून २०२४

एम डी की टिप्पणी

प्रिय भूतपूर्व सैनिक और परिवार के सदस्य,

मुझे अपने सभी सम्मानित सदस्यों और हितधारकों को भूतपूर्व सैनिकों की अंशदायी स्वास्थ्य योजना (ईसीएचएस) त्रैमासिक समाचार पत्र का दूसरा संस्करण प्रस्तुत करते हुए खुशी हो रही है। इस समाचार पत्र के उद्घाटन संस्करण को हमारे सम्मानित भूतपूर्व सैनिकों ने खूब सराहा। केंद्रीय संगठन ईसीएचएस का ध्यान बढ़ी हुई पहुंच, बेहतर दवा उपलब्धता, सूचीबद्ध अस्पतालों द्वारा बेहतर गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवा और सरल प्रक्रियाओं के माध्यम से लाभार्थी संतुष्टि को बढ़ाने पर रहा है।

इस समाचार पत्र के माध्यम से, हमने अपने पहल और नवीनतम विकास को अपने सम्मानित लाभार्थियों तक पहुँचाने का प्रयास किया है। ईसीएचएस नियमों के बारे में जागरूकता और सुधार के लिए सुझावों के माध्यम से इस प्रक्रिया में आपकी भागीदारी योजना को मजबूत करेगी। प्रतिक्रिया का स्वागत है और इसे निदेशक संचार, जो इस समाचार पत्र के संपादक भी हैं, को सूचित किया जा सकता है। आप सभी के अच्छे स्वास्थ्य और सफलता की कामना करता हूँ।

नम्रतापूर्वक,

(मनोज नटराजन)
मेजर जनरल
प्रबंध निदेशक
भूतपूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना

संपादक की मेज से

आदरणीय पाठकों,

हम बहुत उत्सुकता के साथ ईसीएचएस त्रैमासिक समाचार पत्र का दूसरा संस्करण प्रस्तुत कर रहे हैं, ताकि हमारे सम्मानित भूतपूर्व सैनिकों को स्वास्थ्य के प्रति हमारी साझा प्रतिबद्धता से संबंधित नवीनतम विकास, स्वास्थ्य पहलों और आवश्यक अपडेट से अवगत कराया जा सके।

हमारे सम्मानित दिग्गजों द्वारा दिए गए सुझावों को शामिल करने के बाद इस दूसरे संस्करण को तैयार किया गया है। इस संस्करण में लाभार्थियों की संतुष्टि बढ़ाने के उद्देश्य से ईसीएचएस में नवीनतम विकास पर एक अपडेट प्रस्तुत किया गया है। मैं अपने दिग्गजों से यह भी अपील करूंगा कि वे dir.pm@echs.gov.in पर ईमेल के माध्यम से और सुझाव भेजें। इस प्रयास का हिस्सा बनने के लिए धन्यवाद। हम एक जीवंत और सूचित समुदाय बनाने की आशा करते हैं जो स्वास्थ्य और सौहार्द को प्राथमिकता देता है।

भवदीय,

(कौशिक राय)
कर्नल
निदेशक (संचार)
संपादक, ईसीएच्एस त्रैमासिक समाचार पत्र

01 अप्रैल 2024 से 30 जून 2024 तक की अवधि के लिए त्रैमासिक समाचार पत्र

हाल ही में, ईसीएचएस में कुछ नीतिगत परिवर्तन शुरू किए गए हैं, जिनका प्राथमिक उद्देश्य हमारे लाभार्थियों के लिए विभिन्न ईसीएचएस प्रक्रियाओं को सरल बनाना और 'जीवन की सुगमता' को बढ़ाना है।

पॉलीक्लिनिकों का वार्षिक निरीक्षण. पॉलीक्लिनिकों की कार्यात्मक तत्परता बढ़ाने के लिए हर वित्तीय वर्ष में सभी ईसीएचएस पॉलीक्लिनिकों का वार्षिक निरीक्षण किया जाएगा। निरीक्षण क्षेत्रीय केंद्रों, स्टेशन मुख्यालयों और वरिष्ठ कार्यकारी चिकित्सा अधिकारी (एसईएमओ) के प्रतिनिधियों वाली एक टीम द्वारा किया जाएगा।

- **अतिरिक्त अनुमोदकों की भर्ती**. क्षेत्रीय केंद्रों पर चिकित्सा दावों का समय पर निपटान सुनिश्चित करने के लिए प्रारंभिक जनशक्ति आवंटन के अलावा क्षेत्रीय केंद्रों को 107 चिकित्सा अनुमोदकों के लिए रिक्तियां आवंटित की गई हैं। इस उपाय से दावों के निपटान में देरी की अवधि कम होने की उम्मीद है, जिससे पैनल में शामिल अस्पतालों की प्रतिक्रिया और सेवा की गुणवत्ता में सुधार होगा।

- **नए पॉलीक्लिनिक भवनों का निर्माण**. रक्षा मंत्रालय ने 'आजादी का अमृत महोत्सव' के तहत 75 स्थानों पर टाइप सी और डी पॉलीक्लिनिकों में स्थायी भवनों के निर्माण को मंजूरी दी है। 75 स्थानों में से, 40 पॉलीक्लिनिकों के निर्माण के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दे दी गई है और 13.29 करोड़ रुपये की धनराशि जारी की गई है।

- **ईसीएचएस आउटरीच को बढ़ाना**. रक्षा मंत्रालय केंद्रीय संगठन ईसीएचएस द्वारा 18 नए पॉलीक्लिनिक स्थापित करने, 42 मौजूदा पॉलीक्लिनिकों को अपग्रेड करने और दूरदराज के क्षेत्रों में स्थित पूर्व सैनिकों की सेवा के लिए 110 मेडिकल मोबाइल यूनिट (एमएमयू) शामिल करने के प्रस्ताव पर विचार कर रहा है, साथ ही इन पॉलीक्लिनिकों में संविदा कर्मचारियों की संबद्ध वृद्धि भी कर रहा है।

- **80 वर्ष से अधिक आयु के रोगियों के लिए वार्षिक सत्यापन से छूट**. 80 वर्ष से अधिक आयु के हमारे लाभार्थियों द्वारा सामना किए जा रहे विभिन्न व्यावहारिक मुद्दों के कारण, ऐसे लाभार्थियों को कल्याणकारी उपाय के रूप में वार्षिक सत्यापन से छूट देने के प्रस्ताव पर विचार किया जा रहा है। अनुमोदन मिलने पर इसे निकट भविष्य में क्रियान्वित किया जाएगा।

ईसीएचएस के लिए बजटीय आवंटन

लाभार्थियों की संख्या में क्रमिक वृद्धि और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा उपचार की लागत में वृद्धि के साथ, ईसीएचएस के लिए वार्षिक बजटीय आवंटन में हाल के वर्षों में पर्याप्त वृद्धि देखी गई है। पिछले वित्तीय वर्ष में, ईसीएचएस बजट के लिए ₹9880.99 करोड़ आवंटित किए गए थे। इस वर्ष, अब तक ₹6968 करोड़ की राशि जारी की गई है। अधिक धनराशि की मांग की गई है और प्री और आरई चरण में आगे आवंटन की उम्मीद है।

स्वचालन में हाल ही में हुए बदलाव

हमारे लाभार्थियों की सुविधा के लिए प्रक्रिया में निम्नलिखित बदलाव किए गए हैं: -

- **पंजीकृत मोबाइल नंबर में बदलाव**. लाभार्थी के अनुरोध प्रस्तुत करने पर स्वचालित रूप से स्वीकृत हो जाएँगे। ओआईसी की स्वीकृति की आवश्यकता नहीं होगी।

- **पैरेंट पीसी में बदलाव**. लाभार्थी के अनुरोध प्रस्तुत करने पर स्वचालित रूप से स्वीकृत हो जाएँगे। पैरेंट ओआईसी और नए पैरेंट ओआईसी की स्वीकृति की आवश्यकता नहीं होगी।

- **गैर-पैरेंट पीसी रेफरल.** यदि लाभार्थी ने किसी गैर-पैरेंट पॉलीक्लिनिक का दौरा किया है, तो पैरेंट पॉलीक्लिनिक ओआईसी से किसी रेफरल अनुमोदन की आवश्यकता नहीं होगी। रेफरल अनुमोदन सीधे गैर-पैरेंट पीसी ओआईसी द्वारा दिया जाएगा।

- **गैर-पैरेंट पीसी रिपोर्ट में लाभार्थी**. विभिन्न पीसी पर जाने वाले पीसी लाभार्थियों को जानने के लिए ओआईसी मॉड्यूल में एक रिपोर्ट जोड़ी जाएगी।

- **रोगी पंजीकरण रिपोर्ट**. यह रिपोर्ट ओआईसी मॉड्यूल से हटा दी जाएगी।

- **पॉलीक्लिनिक निर्भरता**. सटीक पीसी निर्भरता देखने के लिए यह रिपोर्ट ओआईसी मॉड्यूल में जोड़ी जाएगी।

चिकित्सा मामले

• **ECHS मेडिसिन फॉर्म्यूलरी के कार्यान्वयन के निर्देश**. कॉमन ड्रग लिस्ट (CDL) 2023 को आम तौर पर निर्धारित दवाओं और फॉर्म्यूलेशन की उपलब्धता बढ़ाने के प्राथमिक उद्देश्य से पेश किया गया था, ताकि बीमारियों की अधिकतम कवरेज और दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके। CDL 2023 में दवाओं की संख्या लगभग 4500 से घटाकर लगभग 1500 कर दी गई। दवाओं की व्यापक सूची के कारण, SEMO पहले पॉलीक्लिनिक की आकांक्षाओं को पूरा करने में असमर्थ थे, जिसके परिणामस्वरूप कई लाभार्थियों को खुद का ख्याल रखना पड़ता था या लंबी और बोझिल प्रतिपूर्ति प्रक्रिया का सहारा लेना पड़ता था। कई दिग्गजों को उस नीति के कारण समस्याओं का सामना करना पड़ा है, जिसने SEMO को CDL के बाहर कोई भी दवा खरीदने से प्रतिबंधित किया है। पर्यावरण से प्राप्त फीडबैक के आधार पर, CDL 2023 का और विस्तार किया गया। ECHS के लिए CDL 2024 में, दिग्गजों के लाभ के लिए दवाओं की संख्या लगभग 2300 तक बढ़ा दी गई है। ECHS फॉर्म्यूलरी गतिशील है, जिसमें SEMO की सिफारिशों के आधार पर नई दवाएं जोड़ी गई हैं। ऐसे बदलावों के बारे में सभी संबंधित पक्षों को सूचित किया जाएगा।

• कैंसर और अन्य महत्वपूर्ण आवश्यक दवाओं की खरीद। SEMO कैंसर और अन्य महत्वपूर्ण आवश्यक दवाओं की खरीद कर सकते हैं, भले ही वे फॉर्मूलरी में न हों। SEMO अपनी आपातकालीन शक्तियों का उपयोग करके इन दवाओं को रोगी-विशिष्ट आधार पर खरीद सकते हैं, जब उन्हें तत्काल आवश्यकता हो। यह खरीद थोक में नहीं होती है और इसमें आवश्यक अवधि को कवर किया जाना चाहिए। इसके अतिरिक्त, पॉलीक्लिनिक्स SEMO की अनुशंसा के साथ इन दवाओं को ECHS फॉर्मूलरी में जोड़ने के लिए अनुरोध अग्रेषित कर सकते हैं। यह प्रक्रिया केवल कैंसर और जीवन रक्षक महत्वपूर्ण दवाओं पर लागू होती है।

• उच्च मूल्य दावों के लिए स्क्रीनिंग समिति। व्यक्तिगत/अस्पताल दावों की प्रतिपूर्ति के लिए संयुक्त सचिव (DoESW) की अध्यक्षता में उच्च मूल्य दावों के लिए एक स्क्रीनिंग समिति गठित की गई है।

• ECHS के लिए अस्पतालों/नर्सिंग होम और डायग्नोस्टिक सेंटरों का पैनल बनाना/ हटाना। चिकित्सा सुविधाओं को सूचीबद्ध करने/सूचीबद्ध करने के लिए स्क्रीनिंग समिति की बैठक 27 मार्च 2024 को आयोजित की गई थी। विभिन्न विशेषज्ञता वाले 32 निजी अस्पतालों/नर्सिंग होम और डायग्नोस्टिक प्रयोगशालाओं को ईसीएचएस के साथ सूचीबद्ध किया गया और 04 निजी अस्पतालों/नर्सिंग होम और डायग्नोस्टिक प्रयोगशालाओं को सूचीबद्ध किया गया। चिकित्सा सुविधाओं को सूचीबद्ध करने/सूचीबद्ध करने के लिए अगली स्क्रीनिंग समिति की बैठक 26 अप्रैल 2024 को आयोजित की गई थी। विभिन्न विशेषज्ञता वाले 16 निजी अस्पतालों/नर्सिंग होम और डायग्नोस्टिक प्रयोगशालाओं को ईसीएचएस के साथ सूचीबद्ध किया गया और 07 निजी अस्पतालों/नर्सिंग होम और डायग्नोस्टिक प्रयोगशालाओं को सूचीबद्ध किया गया।

• एम्स अस्पताल में ईसीएचएस लाभार्थियों का इलाज। हाल ही में निम्नलिखित एम्स अस्पतालों को ईसीएच लाभार्थियों के लिए कैशलेस उपचार सुविधाओं के साथ सूचीबद्ध किया गया है:-

o एम्स भोपाल

o एम्स हैदराबाद

o एम्स रायपुर

o एम्स गोरखपुर

o एम्स बठिंडा

<u>भ्रष्ट अस्पतालों द्वारा लाभार्थियों का शोषण</u>. अस्पतालों की सतर्कता जांच के दौरान, यह बात सामने आई कि कुछ अस्पताल, मरीजों की जानकारी के बिना, मरीजों की मेडिकल शीट में धोखाधड़ी से कई बीमारियों को जोड़ने और परिणामस्वरूप अनावश्यक दवाएं और परीक्षण लिखने जैसी विभिन्न गड़बड़ियों में लिप्त हैं। कुछ अस्पताल अस्पताल में भर्ती होने के दिनों को बढ़ाने के लिए डिस्चार्ज स्लिप में तारीखों में हेराफेरी भी करते हैं। अस्पतालों द्वारा इस तरह के कृत्य धोखाधड़ी से बिलों को बढ़ाने के लिए किए जाते हैं। लाभार्थियों से अनुरोध है कि वे सावधान रहें और अस्पताल छोड़ने से पहले दस्तावेजों को ठीक से देखें। यदि अस्पताल इसी तरह की भ्रष्ट गतिविधियों में लिप्त पाए जाते हैं, तो लाभार्थियों को उनकी ओर से लापरवाही के लिए अनावश्यक रूप से दंडात्मक कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है। शिकायतों का समाधान। पूर्व सैनिक सीमैन हरबंस सिंह ने 02 मई 2024 को केंद्रीय संगठन ईसीएचएस को एक शिकायत पत्र भेजा था, जिसमें पता चला कि उन्होंने तीन साल पहले अपनी पत्नी के ईसीएचएस कार्ड के लिए पंजीकरण कराया था। उन्होंने कार्ड के लिए ऑनलाइन आवेदन किया था, लेकिन कार्ड प्राप्त नहीं हुआ। जांच करने पर पता चला कि उनके आवेदन को नौसेना रिकॉर्ड कार्यालय द्वारा सत्यापित नहीं किया गया था। ईसीएचएस के शिकायत निदेशक कर्नल अनिरुद्ध शेखावत ने समस्या का तुरंत संज्ञान लेते हुए इस संबंध में नौसेना रिकॉर्ड कार्यालय से संपर्क किया और उन्हें तुरंत कार्रवाई करने का अनुरोध किया। दस मिनट बाद उन्हें नौसेना रिकॉर्ड कार्यालय द्वारा सूचित किया गया कि उनके आवेदन को सत्यापित कर लिया गया है। तुरंत, सीमैन हरबंस सिंह से टेलीफोन पर संपर्क किया गया और बताया गया कि ईसीएचएस कार्ड बनाने की प्रक्रिया केंद्रीय संगठन ईसीएचएस द्वारा शुरू की गई है

ईसीएचएस हेल्पलाइन

यह अनुभव किया गया है कि लाभार्थियों में जागरूकता की कमी के कारण, यह गलत धारणा है कि ईसीएचएस में प्रक्रियाएं बहुत जटिल हैं। हालाँकि, अधिकांश समस्याएँ ईसीएचएस द्वारा अपनाई जाने वाली प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी की कमी के कारण उत्पन्न होती हैं। इसलिए भूतपूर्व सैनिकों को सभी प्रश्नों के लिए सीधे पॉलीक्लिनिक से संपर्क करना चाहिए। यदि आवश्यक हो, तो वे ईसीएचएस हेल्पलाइन (सप्ताह के दिनों में सुबह 9 बजे से शाम 5:30 बजे तक कार्य घंटों के दौरान उपलब्ध) 01125682870, 01125684945 और 1800114115 पर संपर्क कर सकते हैं।

अस्पतालों से पैसे की वसूली: आरसी-1 द्वारा पहल

एनसीआर के कई अस्पतालों के खिलाफ लाभार्थियों से पैसे वसूलने के बारे में लाभार्थियों से बड़ी संख्या में शिकायतें प्राप्त हुईं। प्रारंभ में, शिकायतों के इन सभी मामलों को स्पष्टीकरण और आवश्यक कार्रवाई के लिए संबंधित अस्पतालों को भेज दिया गया था। हालांकि, बार-बार याद दिलाने के बावजूद अस्पतालों से कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं मिली। इसलिए, आरसी-1 द्वारा प्राथमिकता के आधार पर मुद्दों को हल करने के लिए एक विस्तृत कार्य योजना तैयार की गई। विवरण संकलित किए गए, और ऐसे सभी वास्तविक मामलों की सूची तैयार की गई, जहां लाभार्थियों से गलत तरीके से पैसा वसूला गया था। सभी पत्राचार/ईमेल का रिकॉर्ड भी तैयार किया गया और अस्पतालों के उच्च प्रबंधन के साथ साझा किया गया। दोषी अस्पतालों को कारण बताओ नोटिस के बाद एक चेतावनी पत्र जारी किया गया। इसके बाद, अस्पतालों के सीईओ के साथ एक-एक करके बैठक आयोजित की गई और ऐसे सभी मामलों की सूची उनके साथ साझा की गई। टेलीफोन और मेल के जरिए नियमित फॉलो-अप संचार किया गया। अंततः अस्पताल ने लाभार्थियों को पैसे लौटा कर जवाब देना शुरू कर दिया। आखिरकार, लगभग 90% ऐसे मामले संबंधित अस्पतालों द्वारा लाभार्थियों को पैसे लौटाने से हल हो गए हैं। अब तक, आरसी-1 ने उन लाभार्थियों को लगभग 32 लाख रुपये (लगभग) वापस दिलाए हैं, जिनसे इन अस्पतालों द्वारा गलत तरीके से पैसा वसूला गया था।

भारत में भूतपूर्व सैनिकों के स्वास्थ्य सेवा के दो दशक

आरंभ

भूतपूर्व सैनिकों के लिए व्यापक स्वास्थ्य योजना (ईसीएचएस) जो अब दो दशक पुरानी हो चुकी है, अपने सशस्त्र बलों के भूतपूर्व सैनिकों की भलाई के प्रति भारत की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। सेवानिवृत्त सशस्त्र बलों के कर्मियों और उनके आश्रितों को नकद रहित और बिना किसी सीमा के गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा 1 अप्रैल, 2003 को शुरू की गई ईसीएचएस भारत में भूतपूर्व सैनिकों के लिए स्वास्थ्य सेवा सहायता की आधारशिला बन गई है। इस योजना को भूतपूर्व सैनिकों की स्वास्थ्य सेवा आवश्यकताओं में अंतराल को संबोधित करने के लिए डिज़ाइन किया गया था, जिन्हें अक्सर विभिन्न कारणों से चिकित्सा सेवाओं तक पहुँचने में चुनौतियों का सामना करना पड़ता था। ईसीएचएस की परिकल्पना पॉलीक्लिनिक्स और सूचीबद्ध अस्पतालों के एक नेटवर्क के रूप में कार्य करने के लिए की गई थी, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि भूतपूर्व सैनिक और उनके परिवार अपने निवास के नज़दीक चिकित्सा सेवा प्राप्त कर सकें। इस योजना की शुरुआत भूतपूर्व सैनिकों के योगदान और सेवानिवृत्ति के बाद एक सम्मानजनक और स्वस्थ जीवन के उनके अधिकार को मान्यता देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। ऐसी योजना राष्ट्र के लिए अपनी जान जोखिम में डालने वाले और सबसे कठिन परिस्थितियों में दुश्मनों का सामना करने वाले हमारे सेवारत सैनिकों को यह आश्वासन भी देती है कि जब वे अपनी वर्दी उतारेंगे या कर्तव्य निभाते हुए उनकी मृत्यु हो जाएगी, तो उन्हें और उनके परिवारों को कृतज्ञ राष्ट्र द्वारा पर्याप्त सहायता दी जाएगी।

यात्रा

पिछले दो दशकों में, भूतपूर्व सैनिकों की व्यापक स्वास्थ्य योजना भौगोलिक और संख्या दोनों दृष्टि से अपने दायरे में काफी बढ़ी है और इसने कई उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धियों में से एक देश भर में ईसीएचएस पॉलीक्लिनिक्स का एक व्यापक नेटवर्क स्थापित करना है। ये पॉलीक्लिनिक्स प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल केंद्रों के रूप में कार्य करते हैं, जो परामर्श, निदान और बुनियादी उपचार सहित चिकित्सा सेवाओं की व्यवस्था प्रदान करते हैं। 227 पॉलीक्लिनिक्स और 12 क्षेत्रीय केंद्रों के साथ एक मामूली शुरुआत से, ईसीएचएस के अब पूरे भारत और नेपाल में 433 पॉलीक्लिनिक्स और 31 क्षेत्रीय केंद्र हैं।

इसके अलावा, योजना के तहत निजी अस्पतालों और नर्सिंग होम को शामिल करने से दिग्गजों के लिए उपलब्ध चिकित्सा सेवाओं का दायरा बढ़ गया है। पहले वर्ष में केवल 481 सूचीबद्ध अस्पतालों के साथ शुरुआत करने के बाद, ईसीएचएस के पास अब अपने 55 लाख लाभार्थियों के लिए 3200 से अधिक सूचीबद्ध अस्पताल हैं। निजी अस्पतालों के साथ इस साझेदारी ने न केवल पहुंच में वृद्धि की है बल्कि सरकारी अस्पतालों पर बोझ भी कम किया है, जिससे सभी के लिए बेहतर स्वास्थ्य सेवा में योगदान मिला है। एक और सराहनीय उपलब्धि सेवाओं को सुव्यवस्थित करने के लिए तकनीकी प्रगति की शुरुआत है। ईसीएचएस ऑनलाइन पोर्टल लाभार्थियों के लिए सुविधा बढ़ाते हुए ऑनलाइन अपॉइंटमेंट बुकिंग, प्रिस्क्रिप्शन ट्रैकिंग और मेडिकल रिकॉर्ड तक पहुंच की सुविधा प्रदान करता है। इस डिजिटल परिवर्तन से योजना के संचालन में पारदर्शिता, दक्षता और जवाबदेही आई है। ई-सेहत की शुरूआत से चिकित्सा देखभाल तक पहुंच और पहुंच में और सुधार होगा लाभार्थियों की लगातार बढ़ती संख्या और दवाओं तथा चिकित्सा प्रक्रियाओं की बढ़ती लागत के कारण, चिकित्सा सेवाओं की गुणवत्ता बनाए रखना तथा समय पर पहुँच सुनिश्चित करना एक चुनौती बनी हुई है। चूँकि चिकित्सा व्यय में वृद्धि जारी है, इसलिए यह सुनिश्चित करना कि ECHS व्यापक कवरेज प्रदान करते हुए वित्तीय रूप से टिकाऊ बना रहे, एक सतत चुनौती है जिसके लिए सावधानीपूर्वक वित्तीय नियोजन तथा संसाधन आवंटन की आवश्यकता है। सरकार द्वारा निर्धारित दरें बाजार दरों से काफी कम हैं तथा निदान/उपचार में कुछ नवीनतम चिकित्सा नवाचारों को सरकार की वित्तीय स्वीकृति का इंतजार है। इसलिए निजी सूचीबद्ध अस्पतालों को निर्धारित दरों के भीतर नवीनतम चिकित्सा देखभाल का लाभ प्रदान करना कई बार मुश्किल लगता है। जैसा कि इसी तरह की सरकारी योजनाओं के मामले में होता है, धोखाधड़ी के मामलों की पहचान की गई है तथा धोखाधड़ी की रोकथाम के उपायों को लगातार अपनाया तथा सुधारा जा रहा है। इसके अलावा, इस योजना को दूरदराज के क्षेत्रों में रसद और प्रशासनिक बाधाओं का सामना करना पड़ता है, जहाँ चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता सीमित है तथा जहाँ, तुलनात्मक रूप से, CGHS जैसी अन्य कर्मचारी योगदान वाली सरकारी स्वास्थ्य सेवा योजनाओं का बहुत कम या कोई प्रभाव नहीं है।

संभावनाएँ

आगे की ओर देखते हुए, भूतपूर्व सैनिकों की व्यापक स्वास्थ्य योजना का भविष्य उज्ज्वल है। दिग्गजों की स्वास्थ्य सेवा संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता लगातार बनी हुई है और इस योजना को आधुनिक बनाने और विस्तारित करने के प्रयास जारी हैं। दिग्गजों और उनके परिवारों की अनूठी स्वास्थ्य सेवा संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए चिकित्सा सेवाओं की गुणवत्ता बढ़ाने और विशेष उपचारों को शामिल करने पर जोर दिया जा रहा है। टेली मेडिसिन को शामिल करना और दूरस्थ परामर्श के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाना, विशेष रूप से सीमित स्वास्थ्य सेवा बुनियादी ढांचे वाले क्षेत्रों में पहुंच की कमी को पूरा कर सकता है। यह दृष्टिकोण न केवल अधिक लाभार्थियों को स्वास्थ्य सेवा तक पहुँच प्रदान करेगा, बल्कि भीड़भाड़ वाली सुविधाओं पर बोझ को भी कम करेगा। अनुसंधान संस्थानों और चिकित्सा विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग से उन स्थितियों के लिए विशेष उपचार प्रोटोकॉल विकसित किए जा सकते हैं, जो दिग्गजों को सेवा की कठोरता के कारण विशेष रूप से होने की संभावना है। स्वास्थ्य सेवा के लिए यह अनुकूलित दृष्टिकोण भूतपूर्व सैनिकों द्वारा किए गए बलिदानों के लिए एक उपयुक्त श्रद्धांजलि होगी।

योजना में और सुधार

भूतपूर्व सैनिकों की समग्र स्वास्थ्य योजना लाभार्थियों को तेज़, परेशानी मुक्त अनुभव प्रदान करने के लिए अपनी संपूर्ण प्रक्रियाओं को स्वचालित कर रही है, बेहतर प्रबंधन और लागत-प्रभावशीलता के लिए डेटा एनालिटिक्स और धोखाधड़ी विश्लेषणात्मक तरीकों को पेश कर रही है। निम्नलिखित उपायों के माध्यम से योजना की लागत-प्रभावशीलता को और भी बढ़ाया जा रहा है:

- सुव्यवस्थित प्रशासनिक प्रक्रियाओं से प्रशासनिक कार्यों को केंद्रीकृत करके, प्रक्रियाओं को मानकीकृत करके और सिस्टम पर प्रशासनिक बोझ को कम करने के लिए दस्तावेज़ीकरण को डिजिटल करके परिचालन लागत कम होने की उम्मीद है।

- ईसीएचएस की सामूहिक क्रय शक्ति का लाभ उठाते हुए चिकित्सा उपकरण, दवाइयों और आपूर्ति की थोक खरीद से लागत बचत होगी।

- टेली मेडिसिन और प्रौद्योगिकी एकीकरण से बार-बार शारीरिक परामर्श की आवश्यकता कम हो जाएगी, जिससे रोगियों और योजना दोनों के लिए समय और लागत की बचत होगी। MoHFW की ABHA योजना के साथ एकीकरण और NHA के साथ नेटवर्क किए गए डेटा एनालिटिक्स के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक स्वास्थ्य रिकॉर्ड बनाए रखने से दक्षता बढ़ेगी, अनावश्यक प्रक्रियाओं और खर्चों में कमी आएगी।

- स्पष्ट सामाजिक लाभों के अलावा, निवारक स्वास्थ्य देखभाल पर अधिक ध्यान देने से दीर्घकालिक लागत में कटौती के लाभ होंगे, क्योंकि इससे लाभार्थियों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा तथा बीमारियों को बढ़ने से रोकने और महंगे उपचार की आवश्यकता को कम करने के लिए नियमित स्वास्थ्य जांच को बढ़ावा दिया जाएगा।

- ईसीएचएस मानकीकृत उपचार दिशा-निर्देशों को विकसित और कार्यान्वित कर रहा है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि चिकित्सा हस्तक्षेप साक्ष्य-आधारित और लागत-प्रभावी हों।

- संसाधनों के दुरुपयोग की पहचान करने और उसे समाप्त करने के लिए सख्त ऑडिटिंग तंत्र और धोखाधड़ी रोकथाम उपाय शुरू किए गए हैं।

- भूतपूर्व सैनिकों के संघों और स्वैच्छिक संगठनों के माध्यम से योजना के दायरे और सीमाओं के बारे में लाभार्थी जागरूकता और शिक्षा को बढ़ाना, अति-उपयोग और दुरुपयोग को रोकेगा।

- स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के लिए प्रदर्शन-आधारित प्रोत्साहन, स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं को पुरस्कृत करके कुशल और लागत-प्रभावी देखभाल प्रदान करने को प्रोत्साहित करेंगे, जो लगातार उपचार प्रोटोकॉल का पालन करते हैं और लागत-बचत उपायों में योगदान करते हैं।

- स्वचालन अभियान का उद्देश्य योजना के प्रदर्शन की नियमित निगरानी करना, डेटा का विश्लेषण करना और लाभार्थियों और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं से फीडबैक प्राप्त करना है, ताकि सुधार की आवश्यकता वाले क्षेत्रों में अंतर्दृष्टि प्रदान की जा सके। निरंतर सुधार के प्रयासों से अनुकूलित लागत संरचनाएँ प्राप्त होंगी।

निष्कर्ष

जब भूतपूर्व सैनिकों की व्यापक स्वास्थ्य योजना सेवा के दो दशक पूरे कर रही है, तो यह अपने सशस्त्र बलों के दिग्गजों की भलाई के लिए राष्ट्र की अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है। योजना की शुरुआत से लेकर वर्तमान स्थिति तक की यात्रा भूतपूर्व सैनिकों और उनके परिवारों को प्रदान की जाने वाली स्वास्थ्य सेवा सहायता में सुधार के लिए निरंतर प्रयास को दर्शाती है। व्यापक स्वास्थ्य सेवा नेटवर्क की स्थापना से लेकर तकनीकी प्रगति की शुरूआत तक की उपलब्धियों के साथ, ECHS ने दिग्गजों के जीवन पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाला है। जबकि चुनौतियाँ बनी रहती हैं, वे नवाचार और सुधार के अवसर के रूप में काम करती हैं। जैसा कि हम भविष्य की ओर देखते हैं, भूतपूर्व सैनिकों की व्यापक स्वास्थ्य योजना आगे के विस्तार, देखभाल की बढ़ी हुई गुणवत्ता और अत्याधुनिक स्वास्थ्य सेवा समाधानों के एकीकरण का वादा करती है। अंततः, ECHS की सफलता उन लोगों के प्रति राष्ट्र की कृतज्ञता और सम्मान का प्रतिबिंब है जिन्होंने अपना जीवन इसकी सेवा के लिए समर्पित कर दिया है।

- कर्नल कौशिक राय